ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७८ **टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-मंगलवार,३० अक्तूबर,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३१.५ एवं १४.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २२.३ एवं दोपहर में ३०.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(३१ अक्टूबर से ४ नवम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३१ अक्टूबर से ४ नवम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३२ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १३ से १५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें।
- मटर, लहसुन, धनियाँ, सूर्यमुखी एवं मसूर फसलों की बुआई प्राथमिकता से करें। बुआई से पूर्व खेत की मिटटी की नमी की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। नमी के अभाव रहने पर खेत की हल्की सिचाई कर उसके बाद बुआई करें।
- रबी मक्का की बुआई शुरु करें। इसके लिए संकर किस्में *शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २* एवं *राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा* संकुल किस्में- *देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ७५ किलोग्राम फास्फोरस एवं ५० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० X २० से०मी० रखें।
- आलू के लिए खेत की तैयारी एवं रोपाई करें। *कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू- १, राजेन्द्र आलू- २ तथा राजेन्द्र आलू-३* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित किस्में है। बीज दर २०-२५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०-६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५-२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०-४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००-२५० क्विटल, ७५ किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोंग्राम फास्फोरस एवं १०० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- राजमा की बुआई करें। इसके लिए *उदय (पी०डी०आर०-१४), अम्बर (आई०आई०पी०आर०-९६-४)* एवं *उत्कर्ष (आई०पी०आर०-९८-५)* किस्में अनुसंशित है। बीज बुआई की दुरी ३०x१० से०मी० रखें। बुआई से पहले खेत की जुताई में ५० किलोग्राम नेत्रजन, ५० किलोग्राम फॉसफोरस, ३० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें। बीज को २ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए *एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन २-४-१, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज* किस्में अनुसंशित है। बीज दर ८-१० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला में क्यारियों की चौड़ाई १.० मीटर एवं लंबाई अपने सुविधानुसार ३ से ५ मीटर रख सकते है।
- राई के *वरुणा, पूसा वोल्ड एवं क्रान्ति* किस्मों की बुआई संपन्न करें। राई-तोरी-सरसों की फसल जो १५ से २० दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दूरी १२ से १५ सेन्टीमीटर रखें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की रोकथाम हेतु स्पेनोसेड दवा का १.० मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- टमाटर, बैगन एवं मिर्च में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- गेहूँ एवं चना की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। इसकी बुआई के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। खेत की तैयारी के समय १५० से २०० क्विंटल कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें। खेतों में नमी बनाये रखने के लिए जुताई के बाद पाटा अवश्य चला दें।

आज का अधिकतम तापमानः ३१.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य के बराबर	आज का न्यूनतम तापमानः १३.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.५ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी